www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 खुद को कानून से ऊपर मानने लगे थे...

3 अमोनिया भंडारण क्षेत्र में लेवल-2 मॉकड्रिल का...

4 भारतीय संस्कृति में नवरात्रि पर्व पर माँ दुर्गा के...

वर्षः 9 | अंकः 336 | दिल्ली, सोमवार, 29 सितम्बर 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

पालघर में बिजली गिरने से छह लोग घायल, कई मकान क्षतिग्रस्त

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में बिजली गिरने की दो घटनाओं में छह व्यक्ति घायल हो गए और कुछ घरों को नुकसान भी पहुंचा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। बिजली गिरने की घटना पालघर जिले के जौहर तहसील के कई हिस्सों में शनिवार को हुई। जिला आपदा प्रबंधन केन्द्र के अधिकारी विवेकानंद कदम ने बताया कि जौहर के तहसीलदार द्वारा मिली जानकारी के अनसार धनवा गांव में रात करीब साढ़े दस बजे बिजली गिरने की घटना में एक घर क्षतिग्रस्त हो गया और परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि बिजली गिरने की दूसरी घटना जौहर तहसील के धधारी गांव में हुई। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया और उसका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेज हवाओं और बारिश के समय गांव के लोगों को जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए और खुले खेतों और पेड़ के नीचे रहने से बचना चाहिए।

हिमंत ने भगत सिंह की जयंती पर उन्हें याद किया

असम (एजेन्सी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की जयंती पर उन्हें याद किया। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, क्रांतिकारी संकल्प के प्रतीक, युवा शक्ति के प्रेरणास्त्रोत, मातृभूमि के अमर सपूत - शहीद भगत सिंह को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्होंने कहा कि उन्होंने (स्वतंत्रता सेनानियों ने) जो बलिदान, साहस और स्वतंत्रता की ज्योति प्रज्वलित की वह आने वाले युगों तक राष्ट्रीय चेतना को आलोकित करती रहेगी। भगत सिंह का जन्म 27 सितम्बर 1907 को वर्तमान पाकिस्तान के लायलपुर जिले के बंगा गांव में हुआ था। भगत सिंह को राजगुरु और सुखदेव के साथ 23 मार्च 1931 को लाहौर षड्यंत्र मामले में फांसी दे दी गई थी।

डीटीसी की 300 देवी बसें हुईं शुरू, युक्तिसंगत बनाए गए बसों के रूट

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा सरकार ने यमुनापार को दो बड़ी सौगातें दी हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ईस्ट विनोद नगर बस डिपो से डीटीसी की 300 नई इलेक्ट्रिक देवी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों के रूट को युक्तिसंगत बनाने के लिए आईआईटी दिल्ली की सहायता ली गई है ताकि बॉर्डर एरिया से लेकर हर क्षेत्र के अंतिम छोर तक बसों की पहुंच बन सके। मुख्यमंत्री ने आज यमुनापार में ही नंद नगरी से गगन सिनेमा तक 6 लेन के फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। करीब 180 करोड़ की लागत से बने इस फ्लाईओवर से प्रतिदिन एक लाख से ऊपर वाहनों की आवाजाही होगी और यातायात स्मूद रहेगा।

डीटीसी की 300 नई देवी बसों वाले भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री (कॉरपोरेट मामले, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग) व स्थानीय सांसद श्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह, विधायक श्री रविन्द्र नेगी, श्री रवि कांत, दिल्ली परिवहन निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुनापार को यह दो बड़ी सौगातें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े के तहत मिली है। इन 300 बसों को सड़कों पर उतारा तो गया ही है साथ ही उनके रूट भी युक्तिसगत बनाए गए हैं ताकि पूरे यमुनापार तक इन बसों की पहुंच बनी रहे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन की दिशा में एक नए युग की शुरूआत हुई है। हमारी सरकार ग्रीन दिल्ली-क्लीन दिल्ली का लक्ष्य पूरा करने के लिए साफ-सुथरी, सस्ती और सुलभ परिवहन व्यवस्था देने को प्रतिबद्ध है। रूटों को आईआईटी दिल्ली ने युक्तिसंगत बनाया है। अब यात्रियों की उपलब्धता के आधार पर बसों को चलाया जाएगा। अब न जनता को परेशानी होगी और न ही डीटीसी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले एक-डेढ़ साल के भीतर दिल्ली की सभी सार्वजनिक परिवहन बसों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदल दिया जाए। ईवी संचालित बसे चलने से प्रदूषण में बेहद कमी आएगी और पूरा शहर ग्रीन एनर्जी से संचालित होगा। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीते ग्यारह सालों के भ्रष्टाचार और लापरवाही को सुधारने में थोड़ा तो वक्त लगेगा। हम हर हाल में राजधानी को विकसित दिल्ली बनाकर रहेंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री (कॉरपोरेट मामले, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग) श्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में राजधानी दिल्ली के सभी विधानसभाओं और वार्डों में विकास का तेजी से हो रहे हैं, जबकि पिछले 10-11 सालों में आम आदमी पार्टी की सरकार और उनके विधायकों तक ने अपने क्षेत्रों के विकास के लिए भी कुछ भी काम नहीं किया। यहां तक की जनता की मूलभूत सुविधाओं के लिए भी विकास का कोई काम नहीं हुआ। परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आज यमुनापार के लोगों को 300 इलेक्ट्रिक बसों की जरूरी व प्रभावी सुविधा दी गई है। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि ट्रांस-यमुना क्षेत्र से पहली बार युक्तिसंगत रूटों का उद्घाटन हुआ है। इस प्रक्रिया के तहत ट्रांस-यमुना क्षेत्र में करीब 21 नए रूट बनाए गए हैं, ये बसें 625 बस स्टॉप से होकर गुजरेंगी। रूट रेशनलाइजेशन की शुरूआत हमारी सरकार ने पहली बार की है और हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि पूरी दिल्ली में रूट रेशनलाइजेशन को सही तरीके से लागू करने के लिए विस्तृत रूप से अध्ययन का काम जारी है। रूट रेशनलाइजेशन के जरिए सभी मार्गों का पुनर्गठन किया जाएगा, ताकि लास्ट माइल कनेक्टिविटी के साथ दिल्ली के हर कोने तक बसें पहुंच सकें।

दिल्ली की इस नई सांस्कृतिक बयार को मेरा प्रणामः सीएम रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। नवरात्र और दुर्गा पूजा के अवसर पर दिल्ली का वातावरण एकदम बदला हुआ सा दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का कहना है कि वह लगातार अनेक कार्यक्रमों में भागीदारी कर रही हैं और उन्हें लग रहा है कि देश की राजधानी दिल्ली में विकास की बयार के साथ-साथ सांस्कृतिक उत्सव की सुगंध भी बिखरी हुई है। उनका कहना है कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि पूरी दिल्ली में रामलीलाएं आयोजित की जा रही हैं तो दुगार्पूजा, डांडिया व गरबा नृत्य भी एक-साथ चल रहे हैं। अब तो ओणम पर्व भी आयोजित हो रहे हैं तो दक्षिण भारत का फूलों से जुड़ा पर्व बथुकम्मा भी अपनी सुगंध बिखेर रहा है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इन आयोजनों में युवाओं की भागीदारी दिल को छू रही है। पहली बार दिल्ली के युवा ऐसे पर्व में उमंग व उल्लास से भरे दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार ऐसे कार्यक्रमों में जाकर उनका उत्साह बढ़ता है, साथ ही आनंद भी मिलता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार की रात विभिन्न सांस्कृतिक उत्सवों में भाग लिया। इसके अलावा वह रोजाना रामलीलाओं में जाकर प्रभु श्रीराम की वंदना भी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़े में दिल्ली सरकार के नेतृत्व में पूरी दिल्ली में विकास चल रहे हैं। इनमें मल्टीलेवल पार्किंग और एशिया के सबसे बड़े एसटीपी जैसी योजनाओं का उद्घाटन भी शामिल है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी राजधानी को विकसित दिल्ली बनाने के लिए दिल्ली सरकार की हर प्रकार से मदद कर रहे हैं, जिसके चलते ही सालों बाद विकास की योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। हर इलाके के साथ-साथ हर वर्ग का ध्यान रखा जा रहा है। पूरी दिल्ली गंभीरता से महसूस कर रही है कि वाकई सालों बाद दिल्ली में वे विकास कार्य हो रहे हैं, जिसकी देश की राजधानी हकदार है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस दौरान एक और बदलाव उन्हें जज्बाती बना रहा है, वह है दिल्ली में आयोजित हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोगों का बढ़ता उत्साह, उनकी भरपूर भाागीदारी और उनके अंदर राजधानी को एक विशेष पहचान दिलाने की ललक अब साफ महसूस की जा सकती है।

मुख्यमंत्री का कहना है कि कल शनिवार को इसी कड़ी में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय कैंपस में दो सांस्कृतिक उत्सवों में भागीदारी की। इनमें रग्बी ग्राउंड में डांडिया व गरबा नाइट और रामजस कॉलेज में तेलंगाना राज्य के प्रसिद्ध बथुकम्मा उत्सव। दिल्ली के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब देश की राजधानी में सुदूर प्रदेशों के पर्व इतने अधिक उमंग व उत्साह से मनाए जा रहे हैं और इनमें युवाओं की भागीदारी विशेष पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री ने ऐसे आयोजनों के लिए संस्कृति और भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा की भी प्रसन्नता की, जो ऐसे उत्सवों के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पट कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में तो अलग तरह के ही आयोजन होते रहे हैं, लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है कि दूसरे राज्यों की संस्कृति से जुड़े पर्व यहां आयोजित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार वह अभिभूत भी हैं और हैरान भी कि पहली बार इस तरह के उत्सव युवाओं के बीच दिलचस्पी व चर्चा का विषय बने हुए हैं। यह केंद्र व दिल्ली सरकार का महती प्रयास है कि दिल्ली में पढाई कर रहा देशभर का युवा दिल से ऐसे उत्सवों में जुड़ रहा है।

सेवा पखवाड़े में समाजहित के कार्य किए जा रहे हैं: केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि करनाल की जनता सेवा भावना से परिपूर्ण है और नागरिकों को सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। वे रविवार को श्रीकृष्ण गौशाला में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

मंत्री ने कहा कि वे स्वयं पिछले 11 वर्षों से करनाल की सेवा कर रहे हैं और सेवा पखवाड़े के दौरान हर जगह समाजहित के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने शहीद भगत सिंह के जन्मदिन और नवरात्रों की शुभकामनाएं दीं तथा रामलीला के माध्यम से आदर्शों को अपनाने और बुराई का त्याग करने की प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़े में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, पौधारोपण, खेल प्रतियोगिताएं और गौ सेवा जैसी गतिविधियां आयोजित हो रही हैं। इस दौरान महात्मा गांधी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, लाल बहादुर शास्त्री और शहीद भगत सिंह की जयंती भी आती है।

त्योहारी सीजन में जीएसटी दरों में कमी को बड़ी सौगात बताते हुए मनोहर लाल ने कहा कि अब अधिकांश वस्तुएं 12 प्रतिशत की जगह 5 या शून्य प्रतिशत जीएसटी श्रेणी में आ गई हैं। 2017 में 80 हजार करोड़ रुपये का मासिक जीएसटी संग्रह अब बढ़कर 2.40 लाख करोड़ हो चुका है। स्वच्छता अभियान पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में जागरूकता बढ़ी है और करनाल को फार्मा हब बनाने के लिए वे केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिख चुके हैं। कार्यक्रम से पूर्व उन्होंने गौशाला में गायों की पूजा की और गौवंश के लिए लगाई गई एक्स-रे मशीन का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने गौशालाओं का बजट 40 करोड़ से बढ़ाकर 400 करोड़ करने के निर्णय को सराहनीय बताया।

कार्यक्रम में विधायक जगमोहन आनंद, मेयर रेणु बाला गुप्ता, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण लाठर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा खटकड़ कलां में शहीद-ए-आजम भगत सिंह को श्रद्धा के फूल अर्पित

संजना भारती संवाददाता

खटकड़ कलां (शहीद भगत सिंह नगर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह को उनके जन्म दिवस पर श्रद्धा के फूल अर्पित करते हुए कहा कि आने वाले महीनों में महान शहीद के पुश्तैनी गाँव में शहीद भगत सिंह विरासत कॉम्प्लेक्स राज्य को समर्पित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने शहीद-ए-आजम के जन्म दिवस पर संग्रहालय में स्थापित किया गया 100 फीट ऊँचा तिरंगा झंडा भी लोगों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह 30 ७ 20 फीट आकार का राष्ट्रीय ध्वज शहीद भगत सिंह विरासत कॉम्प्लेक्स का हिस्सा है, जो सभी के लिए पूजनीय इस स्थल का मान-सम्मान और बढ़ाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कॉम्प्लेक्स का काम पूरे जोर-शोर से चल रहा है, जो बहुत जल्द पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 51.70 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा यह कॉम्प्लेक्स शहीद-ए-आजम को एक विनम्र श्रद्धांजलि है।

शहीद भगत सिंह को श्रद्धा के फूल अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महान शहीद ने भारत को विदेशी साम्राज्यवाद की गुलामी की बेड़ियों से आजाद करवाने के लिए अपनी जान तक कुर्बान कर दी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट देश की निस्वार्थ सेवा के लिए आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में काम करेगा और कहा कि इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य हमारी मिट्टी के महान सपूत की बेमिसाल विरासत को संजोना और और अधिक प्रफुल्लित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कॉम्प्लेक्स केवल एक स्मारक नहीं होगा, बल्कि एक अनोखा अनुभव होगा क्योंकि यह सैलानियों को मातृभूमि के लिए शहीद भगत सिंह की महान कुबार्नी, उनकी गहन दूरदर्शिता और बहादुराना भावना के बारे में निकट से जानने का अवसर देगा।

हरियाणा में शहरों के बीच भी होगी स्वच्छता प्रतियोगिताः सीएम नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता

करनाल। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत करनाल जिला सचिवालय सभागार में स्वच्छ शहर जोड़ी समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। करनाल नगर निगम ने सीवन और राजौंद (कैथल), ईस्माइलाबाद (कुरुक्षेत्र), नारनौंद (हिसार) और कालांवाली (सिरसा) नगरपालिकाओं के साथ एमओयू किया है। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन व शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने सोनीपत से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न नगर निकायों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि करनाल स्वच्छता सर्वेक्षण में देशभर में तीसरे स्थान पर रहा है और अब वह अन्य शहरों को मार्गदर्शन देगा। इसी तरह

करनाल नगर निगम ने प्रदेश के 5 शहरों के साथ किया एमओयू

सोनीपत ने होडल, नारनौल, पटौदी मंडी, फर्रूखनगर और कुंडली को गोद लिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के शहरों के बीच भी स्वच्छता की प्रतियोगिता करवाई जाएगी और इसके लिए रैंकिंग व मानक तय किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ स्वच्छता अभियान तभी सफल होगा जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि बीमारियों से बचाव का भी मजबूत माध्यम है। उन्होंने सभी को अपील की कि अपने शहरों को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने में सहयोग करें।

धान खरीद पर बोले सीएमः पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में धान की खरीद सुचारू रूप से जारी है। इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगाए जा रहे हैं और प्रत्येक मंडी में निगरानी के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में फसल नुकसान की भरपाई नहीं होती थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने समय पर मुआवजा सुनिश्चित किया है। इस बार भी क्षति-पूर्ति पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को जल्द ही राहत राशि दी जाएगी।

कार्यक्रम में विधायक जगमोहन आनंद, विधायक योगेंद्र राणा, नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण लाठर, निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूंछरी स्थित श्रीनाथ जी मंदिर में की पूजा

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को डीग जिले के पूंछरी स्थित श्रीनाथ जी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर दर्शन किए। उन्होंने मुकुट मुखारविंद मंदिर की तलहटी पर दुग्ध एवं जलाभिषेक कर गिरिराज जी की आरती की तथा प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान श्री शर्मा ने वहां उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीयतापूर्वक संवाद भी किया।

श्री शर्मा ने इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में श्री जड़खोर गौशाला में गो-सेवा का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिराज विकास परियोजना का कार्य प्रगति पर है। ब्रज चौरासी कोस एवं गिरिराज जी परिक्रमा मार्ग सहित समस्त धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए योजनाबद्ध रूप से कार्य किए जा रहे हैं। इससे निकट भविष्य में गिरिराज जी परिक्रमा मार्ग भक्तों के लिए और भी आकर्षक एवं सुविधाजनक होगा।

इस अवसर पर राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह लखावत एवं विधायक डॉ. शैलेश सिंह भी उपस्थित रहे।

दुनिया देखेगी सिंहस्थ-2028 का वैभवः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में भारतीय संस्कृति का वैभव पूरी दुनिया देखेगी। सिंहस्थ 2028 के लिए हाल ही में 2675 करोड़ रुपए की लागत राशि से 33 प्रमुख कार्यों को मंजूरी दी गई है। उज्जैन के प्रमुख मंदिरों का भी विस्तारीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला कार्यालय एक ही छत के नीचे होने चाहिए इसलिए नवीन कलेक्टर कार्यालय भवन के निर्माण की आज आधारशिला रखी गई है। कलेक्टर कार्यालय का नवीन भवन 7 मंजिला बनेगा। नवरात्रि पर मां हरसिद्धी और भगवान श्रीमहाकाल की कृपा से उज्जैन को लगभग 370 करोड़ लाख लागत के 11 विकास कार्यों की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में नवीन संयुक्त प्रशासनिक भवन के साथ अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन और दीप प्रज्ज्वल कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए शिप्रा नदी पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे सुविधायुक्त नवीन घाटों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही पुराने घाटों का उन्नयन कर 5 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की व्यवस्था की जा रही है। शिप्रा नदी पर ब्रिजों की श्रृंखलाओं का निर्माण किया जा रहा है। बहुत जल्द मेट्रो ट्रेन भी उज्जैन में आएगी। उन्होंने कहा कि कृषकों के लिए भावांतर योजना लागू कर लगभग 35 लाख से अधिक किसानों को लाभ दिया जायेगा। सिंहस्थ के लिए साधु-संतों की मंशानुसार कार्य हो रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सिंहस्थ में क्राउड मैनेजमेंट, मध्यप्रदेश और उज्जैन की कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिप्रा नदी पर 77 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाले 4 नए पुलों से आने वाले दिनों में मोक्षदायिनी शिप्रा मैया पुलों वाली नदी भी कहलाएंगी। यह उज्जैन की काया पलटने वाले विकास कार्य हैं जो सिंहस्थ-2028 को भव्यता प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लगभग 135 करोड़ रुपये की लागत से उज्जैन में बन रहा संयुक्त प्रशासनिक भवन लोक-कल्याण और सुशासन का उदाहरण बनेगा। यह अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं से सुसज्जित होगा। अधिकारियों के लिए नवीन आवासीय भवन बनाए जायेंगे।

इस अवसर पर विधायक श्री सतीश मालवीय ने कहा कि उज्जैन की दिशा और दशा बदलने का काम निरंतर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हो रहा है। एक ही छत के नीचे जिला अधिकारी नवीन प्रशासनिक भवन में आमजन की सेवा में अपना काम करेंगे।

सम्पादकीय

जुबीन का संगीत

जुबीन का जीवन सचमुच एक आंदोलन रहा-एक ऐसा आंदोलन जिसमें सुर है, ताल है, छंद है, जिसमें मिट्टी की गंध है, नदी की धार है, ख्वाब हैं और ख्वाबों का बिखरना-संवरना भी है। जुबीन गर्ग की आवाज सिर्फ गीत नहीं, आंदोलन बन गई। उनका हर गीत केवल संगीत नहीं था, बल्कि सामाजिक जागरूकता और न्याय के लिए खड़ी आवाज थी। यह आवाज लोगों को जोड़ती, बेचैनी और शांति, दर्द और खुशी, सबको एक साथ महसूस कराती थी। लोगों को जगाने का साहस उनकी धुनों में हमेशा मौजूद रहा। उनकी बांग्ला और असमिया रचनाएं लोगों के दिलों में गूंजती हैं। दुर्गापूजा से पहले उनका जाना न केवल असम, बल्कि बंगाल समेत समूचे उत्तर-पूर्व में शोक की लहर छोड़ गया। 'लुइत कंठो' अर्थात 'ब्रह्मपुत्र की आवाज' कहे जाने वाले जुबीन गर्ग ने असम और पूर्वोत्तर भारत के लोगों को उनकी सांस्कृतिक पहचान से जोड़ा। उनकी प्रेरणा ने नए कलाकारों को भी लोक-संस्कृति, भाषा और परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। 18 नवम्बर 1992 को मेघालय के तुरा में मोहिनी मोहन बढ़ठाकुर के घर जन्मे जुबीन गर्ग के पिता मजिस्ट्रेट होने के साथ-साथ लेखक भी थे और माता एक गायिका। पिता का तबादला बार-बार होता था इसलिए परिवार लगातार अलग-अलग जगहों पर रहा और जुबीन-जो 'गोल्डी दा' कहलाते थे-को अलग-अलग स्कूलों में पढ़ाई करनी पड़ी। इसी दौरान जुबीन ने अनेक भाषाएं सीखीं और बाद में वे भाषाओं और बोलियों की लड़ाई को खत्म करने का सपना देखने लगे। वे किसी एक भाषा के वर्चस्व या दमन को स्वीकार नहीं करते थे। जुबीन ने अपने नाम के पीछे बढ़ठाकुर हटाकर गर्ग रख था जो उनका गोत्र था। उनकी यह सोच उनके गीतों में भी झलकी। उन्होंने 40 से अधिक भाषाओं में गाया-असमिया, बंगाली, हिन्दी, अंग्रेजी, मलयालयम से लेकर विष्णुप्रिया मणिपुरी, बोडो, डिमासा, टिया जैसी जनजातीय भाषाओं तक में उनके गीत हैं। छोटे-छोटे समुदायों की भाषाओं में गाए उनके गीत बेहद लोकप्रिय हुए। जुबीन का मानना था-'हमारी भाषा को 'बोली' कहकर उसका अपमान न करें, क्योंकि उनमें हमारी हजारों साल की सीख, संस्कृति और विरासत सन्निहित है।' उन्होंने असम में हिन्दी-असमिया भाषा विवाद को समाप्त करने का प्रयास किया। 'बिहू पर्व' पर उन्होंने हिन्दी गीत गाया, ताकि लोग समझें कि भाषा विवाद दरअसल वास्तविक समस्या नहीं है, उसकी राजनीति ही असली समस्या है। बंगाल में वे उतने ही लोकप्रिय हुए और वहां उन्हें कई राष्ट्रीय पुरस्कारों के साथ-साथ गहरा स्नेह मिला। असम में वे जुबीन दा और बंगाल में 'गोल्डी दा' - दोनों नामों से सबके प्रिय बने। पिछले 33 वर्षों से जुबीन असम की जनता, विशेषकर युवाओं की दर्द, निराशा, गुस्से और विद्रोह को अपनी गायकी से आवाज देते रहे और सबके जीवन में शोषण और वंचना के प्रतिरोध का हथियार बने। जब 'एनआरसी' (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स) का विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ तब जुबीन पीछे नहीं हटे। सरकार आक्रामक थी, दमन चरम पर था, लाखों लोग कैंपों में शरणार्थी की तरह रहने को मजबूर थे। यह दृश्य जुबीन से देखा नहीं गया। वे केवल गीत गाने तक सीमित नहीं रहे, बल्कि खुद सड़कों पर उतर आए। उनका विरोध दिखावे या नाम चमकाने के लिए नहीं था, बल्कि पीड़ितों की वास्तविकता से उपजा था। वे लोगों के बीच जाते, उन्हें प्रेरित करते और आंदोलनों को शांतिपूर्वक चलाने की अपील करते। जब युवा अशांत होते, तो वे अपने गीतों से उन्हें शांति का संदेश देते। उन दिनों असम के लाखों लोग अपने सालों पुराने पुश्तैनी घर, जमीन और रोज़गार से वंचित हो गए थे। असहायता और गुस्से के बीच जुबीन उनके लिए सहारा बने। उन्होंने पीड़ितों की आवाज दिल्ली और दुनियाभर में पहुंचाई। कोलकाता में भी इसका बड़ा असर हुआ और असम की जनता के लिए गहरी सहानुभूति पैदा हुई। असम की बाढ़ और कोरोना जैसी आपदाओं में उन्होंने राहत कार्यों में योगदान दिया और लोगों की मदद के लिए प्रेरित किया। अपने घर को ही कोरोना राहत में सबके लिए खोल दिया। इस तरह जुबीन केवल गायक नहीं रहे, बल्कि एक आंदोलन बन गए-सुरों से संघर्ष तक का आंदोलन। 'गोल्डी दा' ने अपने घर के सामने एक चीड़ का पेड़ लगाया था। वे अक्सर उस पेड़ से लिपटकर बातें किया करते थे और कहते थे-'यह पेड़ जब तक जिंदा है, मैं भी उतने दिन जिंदा रहूंगा।' इस साल आए तूफान में वह पेड़ उखड़ गया। अपने वचनों को इतना पक्का निभा देंगे 'गोल्डी दा'-यह तो उनके साथियों ने सोचा भी नहीं था। वर्ष 1991 में 'बी बरुआ कॉलेज' में ग्रेजुएशन की परीक्षा के दौरान जुबीन ने अपनी उत्तर पुस्तिका बिल्कुल खाली छोड़ दी। कॉलेज के अध्यक्ष ने उन्हें अपने कमरे में बुलाकर कारण पूछा। 'गोल्डी दा' का सीधा जवाब था-'मैं गाता हूं, यह सब मेरे लिए नहीं है।' अध्यक्ष जी गुस्से में पूछ बैठे-'गाना गाने से क्या पेट भरेगा?' लेकिन अगले ही साल उनका एल्बम 'अनामिका' जबरदस्त लोकप्रिय हुआ और जुबीन एक सितारे की तरह उभर आए। यही नहीं, कॉलेज की स्वर्ण जयंती पर वही जुबीन, जिसने एक बार वॉकआउट किया था, मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। उस दिन कॉलेज का मान और शोभा दोनों कई गुना बढ़.गई। जुबीन ने हिम्मत से कहा था कि 'मेरा कोई जात नहीं, मेरा कोई धर्म नहीं, मेरा कोई भगवान नहीं, मैं मुक्त हूं, मैं ही कांचनजंघा हूं।'

जयंती

एस. एच. कपाड़िया

जन्म-29 सितम्बर, 1947, मुम्बई; मृत्यु-4 जनवरी, 2016) भारत के 38वें मुख्य न्यायाधीश थे। एस. एच. कपाड़िया 12 मई, 2010 में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त हुए थे तथा 28 सितंबर, 2012 में इस पद से सेवानिवृत्त हुए। एक न्यायाधीश के अतिरिक्त एस. एच. कपाड़िया अर्थशास्त्र, लोक वित्त, सैद्धांतिक भौतिकी के भी गहरे जानकार थे। हिन्दू और बौद्ध दर्शनों का भी उन्होंने गहन अध्ययन किया था।

पुण्यतिथि

मातंगिनी हजारा

जन्म-19 अक्टूबर, 1870, पश्चिम बंगाल; शहादत-29 सितम्बर, 1942) भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाली बंगाल की वीरांगनाओं में से थीं। भारतीय इतिहास में उनका नाम बड़े ही मान-सम्मान के साथ लिया जाता है। मातंगिनी हजारा विधवा स्त्री अवश्य थीं, किंतु अवसर आने पर उन्होंने अदम्य शौर्य और साहस का परिचय दिया था। 'भारत छोड़ो आन्दोलन' के तहत ही सशस्त्र अंग्रेज सेना ने आन्दोलनकारियों को रुकने के लिए कहा। मातंगिनी हजारा ने साहस का परिचय देते हुए राष्ट्रीय ध्वज को अपने हाथों में ले लिया और जुलूस में सबसे आगे आ गईं। इसी समय उन पर गोलियाँ दागी गईं और इस वीरांगना ने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी।

कल मिलेंगे

सोनू-तुझे पता शादी के बाद आदमी कभी राशि फल क्यों नहीं पढ़ता?
मोनू-नहीं.
सोनू-क्योंकि वह अपनी पत्नी का सुबह-सुबह चेहरा और गुस्सा देखकर ही अंदाजा लगा लेता है... उसका दिन कैसा रहने वाला है.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

खुद को कानून से ऊपर मानने लगे थे सोनम वांगचुक, दिलचस्प है एक समाजसेवी की आंदोलनजीवी बनने तक की यात्रा

-नीरज कुमार दुबे

> देखा जाये तो लद्दाख का भौगोलिक महत्व किसी से छिपा नहीं। चीन और पाकिस्तान से घिरी इस संवेदनशील भूमि में किसी भी तरह की अस्थिरता सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करती है। ऐसे में यदि कोई नेता युवाओं को भड़काए, सरकारी संस्थानों पर हमला करवाए और हिंसा के बाद खुद को शांति दूत बताने लगे, तो उसकी मंशा पर संदेह स्वाभाविक है

लद्दाख, अपनी शांत और सौम्य संस्कृति के लिए पहचाना जाता है, लेकिन वहां अशांति और असंतोष पनपाने की कोशिश की गयी। इस परिदृश्य के केंद्र में हैं सोनम वांगचुक। यह वही नाम है जो कभी शिक्षा सुधार और पर्यावरणीय नवाचार का प्रतीक था, पर आज शांति और व्यवस्था के लिए खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

हम आपको बता दें कि सोनम वांगचुक की प्रारंभिक छवि प्रेरक रही है। SECMOL के माध्यम से उन्होंने शिक्षा को लद्दाख की स्थानीय आवश्यकताओं से जोड़ा और आइस स्तूपा जैसी तकनीक ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। लेकिन 2019 के बाद, जब लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा मिला, उनका रुख धीरे-धीरे बदलने लगा। जो व्यक्ति पहले नई दिल्ली का समर्थक माना जाता था, वही अब सत्ता के खिलाफ मोर्चा खोलने लगा।

सोनम वांगचुक ने लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी के नाम पर बार-बार अनशन और आंदोलन किए। परंतु यह भी तथ्य है कि उनके आंदोलनों ने स्थानीय युवाओं में असंतोष को हवा दी। हाल ही में हुई हिंसा में चार निर्दोष जानें गईं, सैकड़ों घायल हुए और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचा। यह सब तब हुआ जब वांगचुक उपवास पर थे और उन्होंने कई बार उकसाने वाले बयान दिए। सवाल यह उठता है कि यदि आंदोलन केवल शांतिपूर्ण था, तो यह हिंसा क्यों और कैसे हुई?

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि सोनम वांगचुक के एनजीओ SECMOL और हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स पर विदेशी धन के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं। केंद्र सरकार ने उनके एनजीओ का FCRA लाइसेंस रद्द किया और CBI जांच शुरू की। यह तथ्य इस बात की ओर संकेत करता है कि उनके अभियानों को बाहरी शक्तियों से भी समर्थन मिल रहा था। जब राष्ट्रविरोधी तत्व देश की सीमाओं और संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर गड़ाए हुए हों, तब इस तरह की विदेशी फंडिंग और संदिग्ध गतिविधियाँ गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा प्रश्न खड़े करती हैं।

देखा जाये तो लद्दाख का भौगोलिक महत्व किसी से छिपा नहीं। चीन और पाकिस्तान से घिरी इस संवेदनशील भूमि में किसी भी तरह की अस्थिरता सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करती है। ऐसे में यदि कोई नेता युवाओं को भड़काए, सरकारी संस्थानों पर हमला करवाए और हिंसा के बाद खुद को शांति दूत बताने लगे, तो उसकी मंशा पर संदेह स्वाभाविक है। सोनम वांगचुक का यह कहना कि जेल में बंद वांगचुक, आजाद वांगचुक से ज्यादा खतरनाक होगा दरअसल उनकी उसी मानसिकता को दर्शाता है जिसमें वह खुद को कानून से ऊपर मानने लगे थे। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, परंतु जब असहमति हिंसा, विदेशी प्रभाव और संवैधानिक संस्थाओं को चुनौती देने का माध्यम बन जाए, तब उसे बर्दाश्त करना देशहित के खिलाफ होगा।

हम आपको यह भी बता दें कि कुछ राजनीतिक नेताओं ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर आलोचना की है, परंतु यह बयानबाजी भी राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित लगती है। वास्तविकता यह है कि केंद्र ने कई दौर की बातचीत का प्रस्ताव रखा था, लेकिन आंदोलनकारी समूह बार-बार शर्तें बदलते रहे। हिंसा के बाद यह साफ हो गया कि मामला केवल 'छठी अनुसूची' या 'राज्य का दर्जा' भर का नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की रणनीति है।

देखा जाये तो सोनम वांगचुक की कहानी एक चेतावनी है कि कैसे एक समय का नवोन्मेषक और समाजसेवी धीरे-धीरे राजनीतिक महत्वाकांक्षा और विदेशी प्रभाव के चलते व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है।

लद्दाख की जनता को यह समझना होगा कि असली समाधान हिंसा और विदेशी फंडिंग से नहीं, बल्कि संवाद और संवैधानिक ढांचे के भीतर ही संभव है। आज जब लद्दाख की धरती पर शांति सबसे बड़ी आवश्यकता है, तो किसी भी व्यक्ति, चाहे उसकी पिछली छवि कितनी भी उज्ज्वल क्यों न रही हो, उसको कानून से ऊपर मानना राष्ट्र और क्षेत्र दोनों के लिए हानिकारक होगा। सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी इसी व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण का हिस्सा है। हम आपको यह भी बता दें कि सोनम वांगचुक को राजस्थान के जोधपुर कारागार में स्थानांतरित कर दिया गया है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

> फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है

चण्डीगढ़ के एयरबेस से मिग-21 की आखरी उड़ान के साथ मिग की विदाई केवल एक सुपरसोनिक फाइटर की विदाई नहीं है अपितु भारतीय वायु सेना के फाइटर बेडे से मिग की गौरवशाली अतीत की विदाई है। अपनी गति, शक्ति और मारक क्षमता के कारण नाम से ही दुश्मनों में दहसत बनाने वाले मिग-21 अपनी यात्रा के 62 वर्ष पूरे कर विदा हो रहा है। 1962 के युद्ध के कटु अनुभवों के बाद भारत ने अन्य विकल्प होते हुए भी सोवियत रुस के मिग-21 को प्राथमिकता दी। 1963 में चण्डीगढ़ में ही मिग ने भारतीय वायु सेना में प्रवेश किया और 26 सितंबर, 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेनाप्रमुखों के बीच औपचारिक विदाई ली है। स्क्वाड्रनलीडर प्रिया सिंह ने अंतिम उड़ान भर कर मिग-21 को शानदार-यादगार विदाई दी। मिग-21 का 1965, 1971, करगिल, बालाकोट और ऑपरेशन सिन्दूर तक गौरवशाली इतिहास रहा है। हालांकि मिग-21 के उड़ान के दौरान हुई दुर्घटनाओं ने इसे उड़ता ताबूत ही नहीं विडो मेकर तक कहा जाने लगा। दरअसल पाकिस्तान से युद्ध के दौरान अमेरिका के एफ-16 युद्धक विमान को गिरा कर सारी दुनिया को इसने आश्चर्य में ड़ाल दिया था। 1971 में ढ़ाका में गर्वनर हाउस पर बमबारी कर अपनी मारका क्षमता का लोहा मनवा चुका है। भारतीय वायु सेना में 800 से अधिक मिग का बेड़ा रहा है। इनमें से करीब 400 मिग के दुर्घटनाग्रस्त होने और करीब 200 पायलट और 50 नागरिकों की मौत के कारण गति, शक्ति और रफ्तार के बावजूद मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा जाने लगा। यह दूसरी बात है कि कुछ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण हुई तो कुछ अन्य कारणों से।

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की आपूर्ति के कारण भारत को भी अपनी वायुसेना को वेल इक्विप्ड करने की आवश्यकता महसूस हुई और अमेरिका सहित अन्य देषों के फाइटर विमानों के विकल्प होने के बावजूद भारत ने सोवियत रुस के मिग फाइटर विमान खरीदने को पाथमिकता दी। हालांकि 1965 के युद्ध में मिग का सीमित योगदान रहा पर 1971 के युद्ध की तो भाषा ही मिग फाइटर ने बदल कर रख दी। अमेरिका के एफ-16 विमानों को मारगिराकर मिग विमानों ने ना केवल अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया अपितु दुनिया के देशों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। हालिया ऑपरेशन सिन्दुर में भी मिग विमानों ने महत्वूपर्ण भूमिका निभाई है।

मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निमार्ता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है।

फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है। देखा जाएं तो मिग ने भारतीय सेना में अपनी गौरवपूर्ण सेवाएं दी और भारतीय सैनिकों ने युद्ध के दौरान इसका जिस तरह से उपयोग किया वह भारतीय सेना के गौरव को बढ़ाने वाला रहा। यही कारण है कि मिग को गौरवपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। जहां से इसकी शुरूआत हुई वहीं से इसको विदाई दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा।

युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई। अब भारतीय वायु सेना में स्वदेशी फाइटर तेजस मिग का स्थान लेगा। सुखाई, राफेल और तेजस आदि की उपस्थिति से आज भारत की वायुसेना दुनिया की सबसे सक्षम और ताकतवर सेनाओं में से एक है। भले ही भारतीय वायु सेना के बेडे से मिग की विदाई हो गई है पर 1971 का युद्ध, करगिल, बालकोट, ऑपरेशन सिन्दुर और इसी तरह के अभियानों की चर्चा होगी तो मिग की गौरवपूर्ण सेवाओं को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

यूएनजीए से भारत का कड़ा संदेश, यूक्रेन-गाजा में युद्ध रोकें

(एजेन्सी)।

भारत ने शनिवार को यूक्रेन और गाजा में जारी शत्रुता को तुरंत समाप्त करने का आह्वान किया और शांति बहाल करने में सहायक किसी भी पहल का समर्थन करने की बात दोहराई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की आम बहस को संबोधित करते हुए यह बात कही। जयशंकर ने कहा, 'हममें से प्रत्येक के पास शांति और समृद्धि में योगदान देने का अवसर है। संघर्षों के मामले में, विशेष रूप से यूक्रेन और गाजा में, जो सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, उन्होंने भी इसका प्रभाव महसूस किया है।'

जयशंकर ने प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल से विश्व नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो देश सभी पक्षों को शामिल कर सकते हैं, उन्हें 'समाधानों की तलाश में आगे आना चाहिए'। उन्होंने स्पष्ट किया, 'भारत शत्रुता समाप्त करने का आह्वान करता है और शांति बहाल करने में मददगार किसी भी पहल का समर्थन करेगा।'

विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे दो बड़े संघर्षों के अलावा, कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे तो खबरों में भी नहीं आ पाते। उन्होंने संघर्षों के वैश्विक प्रभावों को रेखांकित करते हुए कहा, 'ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा, खासकर 2022 के बाद से, संघर्ष और व्यवधानों की पहली शिकार रही हैं।'

उन्होंने आरोप लगाया कि समृद्ध समाजों ने पहले पहल करके खुद को सुरक्षित कर लिया, जबकि संसाधनों की कमी से जूझ रहे समाजों ने जीवित रहने के लिए संघर्ष किया, और उसके बाद उन्हें केवल पाखंडी भाषण सुनने पड़े।

स्कूली छात्रा से बलात्कार के बाद बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन, अर्धसैनिक बल तैनात

(एजेन्सी)।

दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश के खगराचारी जिले में आठवीं कक्षा की छात्रा से कथित सामूहिक बलात्कार की घटना के खिलाफ शनिवार को जनजातीय समुदायों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों ने लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर चकमा जनजाति के लोग शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने जुमा छात्र-जनता बैनर तले टायर जलाकर और पेड़ के तनों व ईंटों से अवरोधक खड़े कर जिले के प्रवेश व आंतरिक मार्गों पर यातायात रोक दिया। जिला प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया, कानून-व्यवस्था बिगड़ने और जन-धन के नुकसान की आशंका को देखते हुए शनिवार दोपहर दो बजे से खगराचारी और आसपास के इलाकों में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू कर दी गई है। आदेश के तहत पांच से अधिक लोगों की सभा, रैली या जुलूस पर प्रतिबंध लगा दिया गया। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के लेफ्टिनेंट कर्नल कमरान कबीर उद्दीन ने बताया कि सात प्लाटून यानी करीब 250 जवान तैनात किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि शयन शील नामक एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत पर भेजा है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

बीसीसीआई घरेलू क्रिकेटर्स पर बरसाएगा पैसा, एक सीजन में ही करोड़पति बन जाएंगे खिलाड़ी

(एजेन्सी)।

बीसीसीआई की 94वीं वार्षिक आम बैठक रविवार को मुंबई में संपन्न हुई। इस मीटिंग में पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह पंजाब क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि के तौर पर शामिल हुए। मीटिंग के बाद हरभजन सिंह ने खुलासा किया कि बोर्ड ने घरेलू क्रिकेटरों को एक सीजन में ज्यादा मैच खेलने पर आर्थिक रूप से रिवॉर्ड देने के लिए एक इंसेंटिव स्कीम शुरू की है।

हरभजन ने बैठक के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए बताया कि, ये तय किया गया है कि अगर कोई खिलाड़ी एक सीजन में ज्यादा घरेलू मैच खेलता है तो उसे ज्यादा पैसे मिलेंगे। ये टीमों को घरेलू टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंचने के लिए एक प्रोत्साहन होगा। पूर्व भारतीय स्टार ने खुलासा किया कि ये बोनस काफी बड़ा हो सकता है। हरभजन सिंह ने कहा कि, अगर कोई क्रिकेटर एक सीजन में 14 प्रथम श्रेणी मैच खेलता है तो उसे 1 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मैच फीस मिलेगी। इस कदम को भारत के घरेलू सर्किट के लिए एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इसे भविष्य के इंटरनेशनल खिलाड़ियों के लिए एक मंच के रूप में देखा जाता है।

मैचों में उपस्थिति के सीधे फाइनेंशियल रिवॉर्ड से जोड़कर बीसीसीआई खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने और रणजी ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंटों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है।

रणजी विजेता कप्तान मिथुन मन्हास बीसीसीआई के नए 'बॉस', निर्विरोध चुने गए

(एजेन्सी)।

मुंबई में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की वार्षिक आम बैठक के समापन के बाद, पूर्व क्रिकेटर मिथुन मन्हास को आधिकारिक तौर पर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मन्हास इस पद के लिए निर्विरोध चुने गए, और वह सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी के बाद लगातार तीसरे ऐसे अध्यक्ष बन गए हैं जो स्वयं क्रिकेटर रहे हैं। 45 वर्षीय मन्हास, जिन्होंने रोजर बिन्नी का स्थान लिया है, पर अब भारतीय क्रिकेट प्रशासन को विकास, प्रदर्शन और नवाचार के साथ आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। अध्यक्ष के चुनाव से पहले, शनिवार को हुई बैठक में कोषाध्यक्ष और आईपीएल अध्यक्ष सहित अन्य प्रमुख पदों के उम्मीदवारों पर चर्चा की गई थी। मन्हास इससे पहले जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ के क्रिकेट निदेशक रह चुके हैं। नए अध्यक्ष मिथुन मन्हास के साथ, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई है। राजीव शुक्ला को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो क्रिकेट प्रशासन में व्यापक अनुभव रखते हैं। देवजीत सैकिया मानद सचिव और प्रभतेज सिंह भाटिया संयुक्त सचिव चुने गए हैं। वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी कोषाध्यक्ष ए. रघुराम भट संभालेंगे। इसके अलावा, जयदेव निरंजन शाह को शीर्ष परिषद का एकमात्र सदस्य चुना गया, जबकि अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को शासी परिषद में शामिल किया गया है। 12 अक्टूबर, 1979 को जम्मू और कश्मीर में जन्मे मिथुन मन्हास भारतीय घरेलू क्रिकेट के एक दिग्गज रहे हैं, भले ही उन्होंने कभी राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेला। वह एक दाएँ हाथ के बल्लेबाज थे, जो ऑफ-स्पिन गेंदबाजी करने के साथ-साथ विकेटकीपर की भूमिका भी निभाते थे। अपने 18 साल के प्रथम श्रेणी करियर में, मन्हास ने 157 मैचों में 46 के औसत से लगभग 9,714 रन बनाए, जिसमें 27 शतक शामिल हैं।

नीतीश ने पैरा एथलीट शैलेश को स्वर्ण पदक जीतने पर 75 लाख रु के पुरस्कार की घोषणा की

(एजेन्सी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राज्य के पैरा एथलीट शैलेश कुमार को नयी दिल्ली में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के लिए बधाई दी और 75 लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में जमुई जिले के रहने वाले शैलेश को बधाई देते हुए कहा, शैलेश की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि बिहार में खेलों की दुनिया में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल पुरस्कार योजना के तहत नकद पुरस्कार के अलावा राज्य सरकार द्वारा 25 वर्षीय पैरा एथलीट को एक स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया जाएगा। 2023 एशियाई पैरा खेलों के चैंपियन शैलेश ने प्रतियोगिता के पहले दिन ऊंची कूद टी63 स्पर्धा में 1.91 मीटर की छलांग लगाकर विश्व चैंपियनशिप का रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता।

विश्व पर्यटन दिवस: गोवा सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी हितधारक बैठक का आयोजन किया

(एजेन्सी)।

गोवा सरकार ने शनिवार को विश्व पर्यटन दिवस 2025 के अवसर पर राज्य की अब तक की सबसे बड़ी पर्यटन हितधारक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में पर्यटन उद्योग के दिग्गजों, सरकारी अधिकारियों, छात्रों और स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह आयोजन ट्रैवल एंड टूरिज्म एसोसिएशन ऑफ गोवा (टीटीएजी) और एसकेएएल इंटरनेशनल गोवा के सहयोग से किया गया। यह कार्यक्रम एक महीने तक चली पर्यटन दिवस से जुड़ी गतिविधियों का समापन भी था, जिनका उद्देश्य गोवा के समावेशी और टिकाऊ पर्यटन के नजरिये को प्रदर्शित करना था। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे, पर्यटन निदेशक केदार नाइक, गोवा पर्यटन विकास निगम (जीटीडीसी) के प्रबंध निदेशक कुलदीप अरोलकर और ट्रेवल एंड टूरिज्म एसोसिएशन ऑफ गोवा (टीटीएजी) के अध्यक्ष जैक सुखीजा ने भाग लिया।

खाऊंटे ने इस अवसर पर कहा, विश्व पर्यटन दिवस उन अनदेखे हाथों के प्रति आभार प्रकट करने का अवसर है जो इस उद्योग को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, हमारा भोजन अतीत और भविष्य के बीच एक सेतु है। विविधताओं का यह सह-अस्तित्व ही गोवा को विशिष्ट बनाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की यह प्रगति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की बदौलत संभव हो पाई है।

आसिफ शेख टीवी पर 35 बार औरत बन जीता दर्शकों का दिल

(एजेन्सी)।

लोकप्रिय कॉमेडी रियालिटी शो 'भाबीजी घर पर हैं' आज भी लोगों के दिल में राज करता है। इस सीरियल को लोगों ने काफी पसंद किया है। एंड टीवी पर प्रसारित होने वाला यह सीरियल ऑडियंस के दिलों-दिमाग में चढ़ा हुआ है। हाल ही में इस टीवी शो के लीड रोल प्ले करने वाले एक्टर आसिफ शेख, जिन्हें शो में विभूति नारायण मित्रा के नाम से जाना जाता है। एक्टर ने एक इंटरव्यू में बताया है कि वह अभी तक 35 बार पर्दे पर औरत का किरदार निभा चुके हैं। इस इंटरव्यू में आसिफ ने यह भी बताया कि ऐसे किरदार की तैयारी कैसे करते हैं।

टीवी के जाने-माने एक्टर आसिफ शेख अपने सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' के जरिए आज घर-घर तक मशहूर हो चुके हैं। इस सीरियल में एक्टर विभूति नारायण का किरदार निभाते हैं। 'भाबीजी घर पर हैं' कई सारे किरदार को निभा चुके हैं आसिफ शेख, हर एक रोल में दर्शकों का दिल जीता है। इस शो में उन्हें कई बार-बार अलग-अलग तरह के लुक क्रिएट करने पड़ते हैं। एक इंटरव्यू में एक्टर बता चुके हैं वह शो में 35 बार फीमेल कैरेक्टर कर चुके हैं।

आसिफ शेख ने हिंदी रश को बताया कि-आपको यकीन नहीं आएगा, मैंने अभी तक फीमेल किरदार, 21 की उम्र से लेकर 86 या 90 तक के, कम से कम 35 फीमेल किरदार निभा चुकें हैं। सिर्फ फीमेल किरदार।

आसिफ ने आगे बताया कि-मेरी अप्रोच बहुत सीधी सी रहती है। निर्देशक मुझे वो ट्विस्ट बताते हैं कि हम ऐसा करेंगे। तो फिर में सोचता हूं कि क्या यह किरदार है, किस सिचुएशन में होगा तो कैसा लगेगा या कैसी लगेगी। फिर मेरे असिस्टेंटे मुझे रेफरेंस भेजते हैं।

इंटरव्यू में आसिफ ने बताया कि उनके असिस्टेंट के भेजे रेफरेंस को मिला जुलाकर हम एक किरदार गढ़ते हैं। उसका स्केच बनाते हैं फिर उसकी कॉस्ट्यूम वगैरह सोची जाती है। विग या जो भी होती है उसमें। एक्टर ने बताया कि-'फिर आखिर में हम तय करते हैं कि इस किरदार की कैसी बोली-भाषा होगी। कैसा एटिट्यूड होगा। कई बार दिखाया है मालिश वाली है तो उसके हिप्स बड़े है। तो उसे काफी अलग किया था।' इसी तरह एक बाहर से काफी क्लासिक सी लड़की आई तो उसे स्कर्ट पहनाई और उस तरह से वेरिएशन्स दिए जाते हैं और इस तरह की चीजें काफी मिला-जुलाकर हम लोग करते हैं।

इन शो में आसिफ शेख ने 'यस बॉस', 'हम आपके हैं इन लॉज', 'FIR' और कई फिल्मों में भी महिला का किरदार निभाकर खूब तारीफें लूटी।

अमोनिया भंडारण क्षेत्र में लेवल-2 मॉकड्रिल का सफल आयोजन

एसबी ब्यूरो

बरौनी (बेगूसराय)। हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एच.यू.आर.एल.) की बरौनी इकाई ने रविवार को अमोनिया भंडारण क्षेत्र में अमोनिया रिसाव के परिदृश्य पर आधारित एक सफल लेवल-2 मॉकड्रिल का आयोजन किया। अभ्यास के दौरान बेगूसराय अंचल के कारखाना निरीक्षक प्रवीण कुमार प्रभात, बरौनी इकाई के प्रमुख एवं दखलकार संजय कुमार गुप्ता के साथ कारखाना प्रबंधक मनीष कुमार उपस्थित रहे। इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कंपनी की तैयारियों और प्रतिक्रिया तंत्र की प्रभावशीलता का परीक्षण करना था। कारखाना निरीक्षक प्रवीण कुमार प्रभात ने लेवल 2 मॉकड्रिल की तैयारियों को लेकर बरौनी प्रबंधन की प्रशंसा की एवं मॉकड्रिल उपरांत सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अमोनिया रिसाव से संबंधित आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक पहलुओं पर चर्चा की।

एच.यू.आर.एल. बरौनी यूनिट के यूनिट हेड, संजय कुमार गुप्ता ने हाल ही में आयोजित अमोनिया रिसाव मॉकड्रिल के सफल आयोजन पर एक प्रेस बयान दिया। मॉकड्रिल के महत्व पर यूनिट हेड का वक्तव्य: "हाल ही में हुआ लेवल-2 अमोनिया रिसाव मॉकड्रिल हमारे संयंत्र की सुरक्षा तैयारियों का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन था। यह सिर्फ एक ड्रिल नहीं, बल्कि एक गंभीर अभ्यास था। जो हमें आपातकालीन स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक तत्परता सुनिश्चित करने में मदद करता है। इस तरह के नियमित अभ्यास हमें अपनी प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं में किसी भी संभावित कमी को उजागर करने, आपातकालीन उपकरणों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने और संकट की घड़ी में कर्मचारियों के बीच घबराहट को कम करने में सहायता करते हैं। हमारा लक्ष्य 'जीरो एक्सीडेंट' कार्यस्थल को बढ़ावा देना है और यह मॉकड्रिल हमारी इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

आईओसीएल, एनटीपीसी और बिहार अग्निशमन विभाग की सराहना: "मैं आईओसीएल बरौनी, एनटीपीसी बरौनी और बिहार अग्निशमन विभाग के सक्रिय सहयोग और उत्कृष्ट भागीदारी के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उनका बहुमूल्य समर्थन और विशेषज्ञता इस मॉकड्रिल की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे। यह अंतर-एजेंसी सहयोग हमें एक एकीकृत कमांड संरचना बनाने, संसाधनों को प्रभावी ढंग से साझा करने और एक वास्तविक आपात स्थिति में त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है। विभिन्न एजेंसियों के बीच इस तरह का तालमेल हमारे औद्योगिक परिसर और आस-पास के समुदाय दोनों की सुरक्षा को मजबूत करता है। इस सफल मॉकड्रिल के लिए सभी प्रतिभागियों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई।

श्रमिकों की गरिमा, सुरक्षा व कल्याण को समर्पित हरियाणा सरकार, मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए खोला करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का पिटारा

■ विभिन्न चौराहों पर प्रथम चरण में बनाए जाएंगे 150 श्रमिक शेड

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। रविवार का दिन प्रदेश के श्रमिकों के कल्याण को समर्पित रहा। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम से ऐतिहासिक पहल कर श्रमिकों की गरिमा, सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करते हुए उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहयोग दिए जाने का विश्वास दिलाया। मुख्यमंत्री ने श्रमिक हितों को ध्यान में रखते हुए करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का पिटारा खोलते हुए श्रमिकों के राष्ट्र व राज्य के विकास में योगदान पर बल दिया।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में श्रम विभाग की ओर से आयोजित श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के अंतर्गत 37 हजार से अधिक लाभार्थियों के बैंक खातों में 26 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे ट्रांसफर की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, प्रदेश के श्रम मंत्री श्री अनिल विज, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह मौजूद रहे।

श्रम कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने श्रमिक साथी मोबाइल एप लॉन्च की। उन्होंने कहा कि यह एप

श्रमिकों के लिए वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफार्म होगा जो आसान पंजीकरण, आवेदन ट्रेकिंग व योजनाओं की जानकारी व शिकायत निवारण की सुविधा देगा।

मुख्यमंत्री ने सिलिकोसिस पुनर्वास नीति के तहत 51 लाभार्थियों को 2 करोड़ 55 लाख रुपये का वितरण डीबीटी के माध्यम से किया। इसके अतिरिक्त श्रमिकों की सुविधा के लिए अटल श्रमिक फूड कैंटीन में यूपीआई-क्यूआर आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली की भी शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने दयालु योजना के तहत प्रदेश के लाभपात्रों के खाते में धनराशि ट्रांसफर की और कहा कि अब तक 1,568 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों को भेजी गई है। श्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि अभी तक सिलिकोसिस पुनर्वास नीति लागू थी किंतु भविष्य में इस नीति के दायरे को बढ़ाते हुए एस्बेस्टोसिस, बायसिनोसिस व बैगियोसिस जैसे अन्य व्यावसायिक रोगों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। उन्होंने श्रमिकों के हितों में फैसला लेते हुए घोषणा की कि सिलिकोसिस लाभार्थियों को 8 कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभ दिया जाएगा जिसमें 5 लाख रुपये की पुनर्वास सहायता, मृत्यु सहायता के तहत 1 लाख रुपये, अंतिम संस्कार सहायता के रूप में 15000 रुपये, बीमारी पेंशन के तहत 4000 रुपये प्रति माह, पारिवारिक पेंशन 3500 रुपये प्रति माह प्रदान की जाएगी। वहीं श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी जिसमें कक्षा एक से 5 तक के बच्चों के लिए 5 हजार रुपये प्रति वर्ष, कक्षा 6 से 8 के लिए 6000 रुपये प्रति वर्ष, कक्षा 9 व 10 के लिए 8000 रुपये प्रति वर्ष, कक्षा 11 व 12 के बच्चों के लिए 10,000 रुपये प्रति वर्ष, आईटीआई, स्नातक, स्नातकोत्तर के लिए 12 हजार रुपये प्रति वर्ष दिए जाने का प्रावधान रहेगा। श्रमिकों की लड़कियों के विवाह के लिए सहायता स्वरूप 51,000 रुपये व लड़के की शादी के लिए सहायता के तौर पर 11,000 रुपये का आर्थिक सहयोग श्रम विभाग की ओर से दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्रमिक कौशल विकास योजना की भी मुख्यमंत्री ने मंच से घोषणा की और कहा कि इस योजना के तहत पंजीकृत औद्योगिक एवं निर्माण श्रमिक व उनके आश्रितों को पूर्णतया निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना का व्यय श्रम विभाग के अंतर्गत कल्याण बोर्डों द्वारा वहन किया जाएगा।

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' कार्यक्रम के अंतर्गत एक सफल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूँ। सी एच सी ककराला पर 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' कार्यक्रम के अंतर्गत एक सफल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के सभापति साधन सहकारी समिति ककराला एवं पूर्व मंडल महामंत्री आकाश मिश्रा ने चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर भुवनेश कुमार की उपस्थिति में फीता काटकर किया।

इस स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें डॉक्टर स्वतंत्र पाल सिंह मेडिसिन स्पेशलिस्ट, डॉक्टर आशीष कुमार बाल रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर नाजिया अख्तर प्रसूत और स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर आशीष बाल रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर के पी यादव आप्थाल्मालॉजिस्ट, डॉक्टर चक्रेश गुप्ता नाक कान गला स्पेशलिस्ट, डॉ. राजकुमार नोडल अधिकारी, डॉ.आशीष राठौर, डॉ. सतीश चंद्र डेंटल सर्जन, श्री प्रेम बाबू साइकोलॉजी मेडिसिन से, डॉक्टर आसिफ आयुर्वेदिक चिकित्सक, योग टीचर अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ककराला के स्टाफ ने भी इस शिविर में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसमें डॉक्टर जेवा शमशाद, फार्मासिस्ट मुस्लिम शेर खान, लैब टेक्नीशियन सरफराज अहमद, पीएमडब्ल्यू जीशान खान, होम्योपैथी से रतन कुमार गुप्ता इत्यादि शामिल थे।

इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य संबंधी उच्च स्तरीय परामर्श, जांच, दवाइयां, टीकाकरण इत्यादि सुविधाएं प्रदान की गईं। यह शिविर "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य महिलाओं और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करना था।

नीतीश कुमार ने वैशाली जिला में 744 करोड़ 85 लाख रुपये की लागत से कुल 331 विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास एवं लाभुकों से किया संवाद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार ने 129 करोड़ रुपये की लागत से हाजीपुर नगर परिषद क्षेत्र में स्ट्रांग वॉटर ड्रेनेज सिस्टम निर्माण कार्य, 43 करोड़ 20 लाख की लागत से बाया नदी उगाही का कार्य, 44 करोड़ 50 लाख की लागत से सदर अस्पताल वैशाली परिसर अंतर्गत 100 शैय्यौं की क्रिटिकल केयर ब्लॉक, 181 करोड़ 78 लाख की लागत से ऊर्जा विभाग की चार योजनाएं जिनसे जिले के विकास कार्यों को नई गति एवं दिशा मिलेगी और लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार होगा एवं उन्हें इसका प्रत्यक्ष लाभ भी प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार ने वैशाली जिला के गरौल प्रखंड अंतर्गत ग्राम हरसेर स्थित मैदान में आयोजित कार्यक्रम स्थल से 744 करोड़ 85 लाख रुपये लागत की कुल 331योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर (रिमोट के माध्यम से) उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें 27 करोड़ 14 लाख की लागत से लालगंज (रेपुरा) सराय रोड (12.95) किलोमीटर रोड का चौड़ीकरण, 19 करोड़ 51 लाख की लागत से गरौल-सोधों-मथनामल रोड का चौड़ीकरण, 14 करोड़ 82 लाख की लागत से पनसडिया (लोहा पुल)भारत चौक-सिक्स लेन गंगा ब्रिज पहुंच पथ (4.20 किमी,) 122 करोड़ 14 लाख की लागत से भवन पुस्तकालय व खेल मैदान के निर्माण सड़क सहित 110 विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास, 15 करोड़ 10 लाख की लागत से बालक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हाजीपुर, 13 करोड़ 90 लाख की लागत से 132 / 33 के बी ग्रिड उपकेंद्र, हाजीपुर में एक आदत 200 एम वी ए ट्रांसफार्मर, 78 करोड़ 69 लाख की लागत से भवन, स्वास्थ्य केंद्र, खेल मैदान व सड़क सहित अन्य 210 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन किया। इसमें प्रगति यात्रा के दौरान जिले के विकास के लिए घोषित योजनाओं का शिलान्यास भी शामिल है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 1153.60 करोड़ रुपये की लागत से शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना गरौल डिग्री कॉलेज का भी शिलान्यास किया। इसके निर्माण से वैशाली जिला के गरौल प्रखंड तथा आस-पास के प्रखंडों के छात्र-छात्रा लाभान्वित होंगे। इन योजनाओं से जिले में विकास कार्यों को नई गति एवं दिशा मिलेगी जिससे लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार होगा एवं उन्हें इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा लाभुक संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित पेंशनधारी लाभुकों, जीविका दीदियों, आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका, सहित अन्य लाभुकों

के साथ संवाद किया। उपस्थित लोगों/लाभुकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा महिलाओं की पेंशन राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये किया गया है। इसके अलावा गृह रक्षकों का दैनिक भत्ता 774 रुपये से बढ़ाकर 1121 रुपये, आंगनबाड़ी सेविका के मानदेय 7 हजार रुपये से बढ़ाकर 9 हजार रुपये, आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 4500 रुपये, विद्यालय रात्री प्रहरी का मानदेय 5 हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये, किसान सलाहकारों का मानदेय 13 हजार रुपये से बढ़ाकर 21 हजार रुपये की गयी है। आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में भी वृद्धि की गई है। इससे हम सभी लोग काफी खुश हैं।

घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली फ्री करने से हमलोगों को बहुत फायदा हो रहा है। इससे होने वाली बचत राशि का उपयोग हमलोग अन्य विकास कार्यों में कर रहे हैं। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री को उनके लिए किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से कहा कि आप सभी लोग बहुत अच्छा काम कर रही हैं। इसी प्रकार पूरी बुलंदी के साथ काम करते रहिए और आगे बढिये। सरकार हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से कहा कि आप लोग अच्छे से मिल-जुलकर रहें तथा बिहार को आगे बढ़ाने में अपना अहम योगदान दें।

कार्यक्रम में सम्राट चौधरी, सिद्धार्थ पटेल, विधायक, वैशाली, राजकुमार, आयुक्त तिरहुत प्रमंडल, चंदन कुशवाहा, पुलिस उपमहानिरीक्षक मुजफ्फरपुर प्रक्षेत्र, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी, गोपाल सिंह, वैशाली की जिलाधिकारी, वर्षा सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारीगण, लाभार्थीगण उपस्थित थे।

बिहार को मिलेगी तीन नई अमृत भारत ट्रेनों की नई सौगात

■ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना
■ चार पैसेंजर गाड़ियों का भी परिचालन होगा प्रारंभ

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। बिहार को आधुनिक रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना जं. से 07 ट्रेनों की सौगात बिहार को देंगे, जिनमें 03 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे।

मध्यम वर्ग और आम लोगों की लोकप्रिय ट्रेन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना लेने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की 12 सेवाएं अभी देश भर में चल रही हैं जिनमें 10 ट्रेन बिहार से चलती हैं। तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत हो जाने के बाद इस श्रेणी की रेलगाड़ियां की संख्या बढ़कर 15 हो जाएगी जिसमें 13 ट्रेनों का परिचालन बिहार से होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बिहार वासियों के लिए यह बड़ी सौगात है।

रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना-बक्सर, झाझा-दानापुर, पटना-इसलामपुर तथा शेखपुरा-बरबीघा के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। शेखपुरा-बरबीघा-बिहार शरीफ के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन के चालू हो जाने से बरबीघा-अस्थावां-बिहार शरीफ रेलखंड पर (जिसका पिछले दिनों सीआरएस निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है) ट्रेनों के परिचालन का इस क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो जाएगा । पटना-इसलामपुर पैसेंजर एवं नवादा-पटना पैसेंजर का परिचालन नई लाइन जट डुमरी-फाजिलचक-तोपसरथुआ-दनियावां के रास्ते किया जाएगा जिससे इस क्षेत्र लोगों को भी ट्रेन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इस समारोह में

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संक्षिप्त विवरण

1. गाड़ी सं. 15293/15294 मुजफ्फरपुर-चर्लपल्लीी-मुजफ्फरपुर अमृत भारत एक्सप्रेस (सप्ताहिक) - यह एक्सलप्रेस हाजीपुर, पाटलिपुत्र, आरा, बक्ससर, डीडीयू, प्रयागराज छिवकी, जबलपुर, इटारसी, नागपुर, काजीपेट के रास्तेह चलायी जाएगी।
2. गाड़ी सं. 19623/19624 मदार-दरभंगा-मदार अमृत भारत एक्सप्रेस (सप्ताहिक)- यह एक्सरप्रेस कमतौल, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, गोमतीनगर, कानपुर, टुंडला, जयपुर के रास्त् चलायी जाएगी।
3. गाड़ी सं. 15133/15134 छपरा-आनंद विहार-छपरा अमृत भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)-यह एक्सशप्रेस सिवान, थावे, कप्ताजनगंज, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, ऐशबाग (लखनऊ), कानुपर के रास्ते चलायी जाएगी।

पैसेंजर ट्रेनों का संक्षिप्त विवरण:

1. गाड़ी सं. 75271/75272 नवादा-पटना-नवादा डेमू पैसेंजर - यह पैसेंजर शेखपुरा, बरबीघा, अस्थाववां, बिहार शरीफ, नुरसराय, दनियावां, तोप सरथुआ, फाजिलचक, जटडुमारी, पुनपुन के रास्तें रविवार को छोड़कर सप्तानह में छः दिन चलायी जाएगी।
2. गाड़ी सं. 75273/75274 इसलामपुर-पटना-इसलामपुर डेमू पैसेंजर - यह पैसेंजर पुनपुर, जटडुमरी, फाजिलचक, तोप सरथुआ, दनियावां, हिलसा के रास्तेच रविवार को छोड़कर सप्ताडह में छः दिन चलायी जाएगी।
3. **गाड़ी सं. 53201/53202 पटना-बक्सर-पटना फास्टा पैसेंजर** - यह पैसेंजर दानापुर, आरा के रास्ते/ रविवार को छोड़कर सप्ता ह में छः दिन चलायी जाएगी।
4. **गाड़ी सं. 53203/53204 झाझा-दानापुर-झाझा फास्टे पैसेंजर**-यह पैसेंजर जमुई, किउल, मोकामा, बख्तियारपुर, फतुहा के रास्ते रविवार को छोड़कर सप्ताुह में छः दिन चलायी जाएगी।

बिहार को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री और उप मुख्यमंत्री 03 अमृत भारत एक्सप्रेस-मुजफ्फरपुर से हैदाराबाद के समीप चर्लपल्ली के मध्य, दरभंगा से अजमेर के समीप मदार जं. के मध्य तथा छपरा से आनंद विहार टर्मिनल के मध्य अमृत भारत ट्रेन का शुभारंभ करेंगे।

मुजफ्फरपुर से चर्लपल्ली के चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन होगी जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन होगी ।

यह अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव देगी। ये ट्रेनें बिहार को देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर उत्तर भारत और दक्षिण भारत से तेज और सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। इनके संचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा और पर्यटन, व्यापार तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

भारतीय रेलवे द्वारा विकसित अमृत भारत एक्सप्रेस आज देश की रेलवे प्रणाली के आधुनिकीकरण की मिसाल बन चुकी है। यह ट्रेन सिर्फ एक तेज और किफायती यात्रा का विकल्प नहीं है, बल्कि इसमें सेमी-ऑटोमेटिक कपलर, फायर डिटेक्शन सिस्टम, सील्ड गैंगवे, और टॉकबैक यूनिट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। पहली बार नॉन-एसी कोच में भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक अपनाई गई है। इससे पहले बिहार को 10 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सुविधा मिल रही है और अब इन 03 नई अमृत भारत ट्रेनों के शुरू होने से राज्य की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। यह विकसित बिहार से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी पहुंचे सुमेरपुर मंत्री कुमावत ने किया स्वागत

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। पाली जिले के सुमेरपुर कस्बे के होटल में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री कन्हैयालाल चौधरी के आगमन पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान चौधरी का फूलमालाएं पहनाकर व साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत का भी भव्य अभिनंदन किया। साथ ही कुमावत ने कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के आने पर उन्हें साफा बांधकर व दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया। सिंदरू के गरबा महोत्सव में हुए शामिल-कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने पाली जिले के प्रवास के दौरान शनिवार देर शाम को सिंदरू में नवयुवक मंडल की ओर से आयोजित गरबा महोत्सव में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर गरबा महोत्सव के कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

पूर्व मंत्री आबिद रजा ने श्रीराम बारात का पुष्प वर्षा कर किया भव्य स्वागत

■ नगर पालिका ने राम बारात मार्ग पर मैटिंग बिछवाई

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूँ। श्रीराम बारात के अवसर पर मढ़ई चौक पर बारात के स्वागत हेतु कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री आबिद रजा ने उपस्थित रहकर पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया। झांकियों पर पुष्प वर्षा की। बारात आगमन पर अनेक झाकियों द्वारा प्रदर्शन किया गया जिन पर पूर्व मंत्री आबिद रजा द्वारा पुष्प वर्षा की गई।

इस मौके पर नगर पालिका परिषद द्वारा जिन जिन मार्गो से बारात निकाली गई उन मार्गो पर रेड कारपेट मेटिंग बिछवाई। जिसकी पूरी राम बारात में चर्चा रही।

नगर पालिका चेयरमैन फात्मा रजा की ओर से राम बारात में साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था की भी लोगो ने प्रसंशा की। पूर्व मंत्री आबिद रजा ने अपने कार्यकाल में श्रीराम बारात के मार्ग पर मैटिंग डलवाने का कार्यं शुरू कराया था। उनकी डाली गई परम्परा अभी भी कायम है। जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से सराहना

की है। मालूम रहे नगर पालिका श्रीराम बारात के स्वागत की कई दिनों से तैयारियां कर रही थी। बारात मार्ग पर मैटिंग पडवाने, सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, बारात स्वागत को कमेटियां गठित की गई थी। नगर पालिका के कर्मचारी सड़को पर निकल पड़े, पूरे बारात मार्ग पर विशेष सफाई कार्य किया, सड़क के दोनों किनारों, चौराहों, मंदिरों पर चूने का छिड़काव किया। सड़को के गड्ढे पहले ही भर दिए गए है।

स्वागत कैम्प में सभासद ग्रीश शुक्ला,अनवर खाँ, मोहित सक्सेना, अबरार, नवेद, बब्लू, कौसर अली, कार्यालय अधीक्षक खालिद अली, राजस्व निरीक्षक लवी कुमार, सफाई निरीक्षक केशव गंगवार, सचिन सक्सेना लिपिक, नवेद इकबाल गनी लिपिक समेत नगर पालिका स्टाफ आदि लोग मौजूद रहे।

पार्टी के कार्यकर्ता सेना नहीं सेनापति है: राष्ट्रीय अध्यक्ष

एसबी संवाददाता

दलसिंहसराय(समस्तीपुर)। जननायक लोक दल के द्वारा शनिवार को दलसिंहसराय शहर के एक निजी शिक्षण संस्थान के सभागार में पार्टी के कार्यकताओं का गोष्टी सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता रवि कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, रवि कुमार ने कहा

कि हमारी पार्टी 243 सीटों पर संगठन से मजबूत है, पार्टी सभी सीटों पर जल्द ही उम्मीदवार की घोषणा करेगा, उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता सेना नहीं सेनापति है, पार्टी समाज के वंचित,शोषित, गरीब, नौजवान, महिला के हक के लिए संघर्ष करेगा, एवं अधिकार दिलाएगा, संविधान को मानते हुए लोकतंत्र मजबूत करेगा, विकसित बिहार बनाने में जननायक लोक दल कार्य करेगा, कार्यक्रम में महिला नेत्री काजल देवी, समस्तीपुर युवा जिला अध्यक्ष सुजीत कुमार, पटोरी प्रखंड प्रभारी विक्कीकुमार, खगड़िया प्रभारी राजेश झा, प्रदेश अध्यक्ष बिहार अमर चंद्र कुमार, ने अपने विचार व्यक्त किया।

मन की बात कार्यक्रम में देश के नागरिकों की भावनाएं होती है अभिव्यक्त: नवीन जिन्दल

■ मन की बात सुनने पहुंचे सांसद नवीन जिन्दल, क्योडक गांव का किया दौरा, विकास कार्यों की समीक्षा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल ने कैथल हलके के क्योडक गांव के बूथ नंबर 17 पर ग्रामीणों और भाजपा कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।

सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम वास्तव में देश के हर नागरिक की भावनाओं को अभिव्यक्त करने वाला माध्यम बन चुका है। इसमें देश की प्रेरणादायक कहानियों और संघर्ष गाथाओं को सामने रखकर हर वर्ग को राष्ट्रहित में योगदान देने की प्रेरणा दी जाती है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात करें और देशहित में कार्य करते हुए गांव के विकास और समाज की प्रगति में सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम के बाद सांसद नवीन जिन्दल ने गांववासियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को नजदीक से जानने के लिए गांव का दौरा किया।

सांसद नवीन जिन्दल ने गांव के निर्माणाधीन चौक पर पहुंचकर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और कहा कि शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने गांव के विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। सांसद ने 10 एकड़ में निर्माणाधीन पशु अस्पताल का दौरा किया और ग्रामीणों से निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल किसानों और पशुपालकों के लिए वरदान साबित होगा और क्षेत्र में पशुपालन को नई दिशा देगा। इसके अलावा सांसद नवीन जिन्दल ने गांव के स्टेडियम और व्यायामशाला का भी दौरा किया। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात की और कहा कि खेलों से जुड़कर युवा वर्ग नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रह सकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

सांसद नवीन जिन्दल ने ग्रामीणों को सांसद खेल महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव फिट इंडिया अभियान को मजबूती देने का काम करेगा। युवा शक्ति ही देश की वास्तविक ताकत है और यदि युवा खेलों से जुड़ते हैं तो वह स्वस्थ और अनुशासित समाज का निर्माण करेंगे।

गांव के सरपंच जसवीर सिंह ने इस अवसर पर युवाओं और ग्रामीणों के सामने आ रही विभिन्न समस्याओं का जिक्र किया। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि स्वच्छता और पीने के पानी की व्यवस्था गांव में सर्वोच्च प्राथमिकता पर होनी चाहिए, ताकि लोगों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल असर न पड़े। उन्होंने गांव में नए पंचायत घर के लिए जमीन का भी दौरा किया ताकि अच्छे और गांव की जरूरतों को पूरा करने वाले पंचायत घर का निर्माण करवाया जा सके।

इस अवसर पर पूर्व विधायक लीला राम, मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र क्योड़क रामधन शर्मा, उदय गोरा, राजपाल तंवर, धर्मपाल जी रघुवीर फौजी की, सरपंच जसवीर, बालूराम, ऋषि पाल, राम सिंह, सतीश कुमार, लखमी चंद, राजा राम खुराना, राजू बलवती, रामकुमार नैन, कुशलपाल सैन और राहुल खुराना उपस्थित रहे।

फसल अवशेष न जलाएं, स्वदेशी अपनाएं: डॉ. चौहान

■ ग्राम वासियों को सौंपी बेलर मशीन

बेलर मशीन ग्रामवासियों को सौंपते हुए डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान, नीलोखेड़ी के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने राहड़ा गांव में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पराली जलाना केवल मिट्टी की उर्वरता समाप्त नहीं करता है, बल्कि यह व्यापक प्रदूषण का कारक बन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित होता है।

डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने किसानों को बताया कि पराली को जलाने की बजाय इसका सही प्रबंधन करने से यह पशु चारे, जैविक खाद और बायोगैस का उत्कृष्ट स्रोत बन सकता है। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम पंचायत को आई.एस.ए.पी. फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराई गई बेलर मशीन ग्रामवासियों को सौंपी ताकि किसान इसे साझा रूप से प्रयोग करके अपने खेतों में पराली न जलाएं।

इससे पूर्व उन्होंने ग्राम वासियों के साथ प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम भी सुना। त्यौहारों के इस अवसर पर डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने लोगों से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दीपावली, नवरात्र और दशहरा जैसे पर्व तभी सार्थक होंगे जब हम अपने गांव और देश में बने सामान का उपयोग करें। इससे हमारी परंपरा जीवित रहती है और स्थानीय कारीगरों, महिलाओं और छोटे उद्योगों को रोजगार मिलता है। उपस्थित ग्रामीणों ने पराली न जलाने और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि रणदीप, ग्रामोदय अभियान के नरेंद्र राणा, समाजसेवी रिंकल राणा, सुरेंद्र रोजड़ा तथा भाजपा बल्ला मंडल के पूर्व अध्यक्ष संदीप सैनी, रविन्द्र रोजड़ा, रविन्द्र राणा, बबली राणा, मंदीप राणा, प्रवीण राणा, सुभाष राणा, सोमपाल पंच, गौरव सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। सभी ने डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान के आह्वान की सराहना की और इसे गांव-गांव तक पहुंचाने का वचन दिया।

भारतीय संस्कृति में नवरात्रि पर्व पर माँ दुर्गा के नौं रूपों की पूजा व व्रत का बहुत है महत्व: विधायक योगेंद्र राणा

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। नवरात्रों के उपलक्ष पर नगर के सनातन धर्म मंदिर कमेटी की ओर से पहली विशाल माँ भगवती माता की चौंकी वह भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक योगेंद्र राणा नें बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर समाजसेवी गुलशन सहगल व अखिल भारतीय पंजाबी खत्री स्वयंसेवक संघ के अध्यक्ष शेरु विंग विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक योगेंद्र राणा ने माँ की ज्योति प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने भी ज्योति प्रज्वलित की। योगेंद्र राणा का मंदिर कमेटी के प्रधान विक्की जुनेजा योगेश ठुकराल राजेश छाबड़ा दीपक मेहता, प्रदीप ठुकराल व भाजपा मंडल अध्यक्ष हिमांशु छाबड़ा ने विधायक योगेंद्र राणा का फूल मलाओं से स्वागत किया व मां भगवती का स्वरूप भेंट किया। मंदिर कमेटी सदस्यों ने अन्य अतिथियों को भी मां भगवती का स्वरूप भेंट कर सम्मानित किया। माँ शेरों वाली माता की की चौकी में यमुनानगर के प्रसिद्ध गायक विक्की चंचल व विशाल जुनेजा द्वारा गाई माता की भेटों पर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा पंडाल झूम उठा।इस अवसर पर विधायक योगेंद्र राणा ने नवरात्रों के पर्व की महत्व पर प्रकाश डालते हुए कि चैत्र नवरात्र का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भारतीय संस्कृति में अत्यंत महत्व है। नवरात्रों में देवी भगवती के नौं रूपों की उपासना के माध्यम से आत्मिक शक्ति, मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाने का एक अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण संसार की उत्पत्ति का मूल कारण शक्ति ही है, जिसे ब्रह्मा, विष्णु व शिव तीनों ने मिलकर मां नवदुर्गा के रूप में सृजित किया, इसलिए मां दुर्गा में ब्रह्मा, विष्णु व शिव तीनों की शक्तियां समाई हुई हैं।

सनातन धर्म मंदिर कमेटी के प्रवक्ता नितिन जुनेजा, बादल छाबड़ा व ट्विंकल ठुकराल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि विधायक योगेंद्र राणा को मां दुर्गा का स्वरूप भेंट करते कमेटी सदस्य। (छाया: एसबी)

उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम नगर वासियों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर नगर के सैकड़ो श्रद्धालुओं ने मां भगवती के भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर जे.सी महाविद्यालय के निदेशक रमेश बतरा, नपा पूर्व चेयरमैन दीपक छाबड़ा, वाइस चेयरमैन राजेन्द्र ढींगड़ा, अमरजीत छाबड़ा, जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य रोकी मट्टू पंजाबी सभा के प्रधान जगदीश पाहवा व वीरेंद्र बजाज सहित अन्य गण मान्य लोग उपस्थित रहे।

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टॉफ द्वारा अवैध देसी कट्टा सहित आरोपी काबू

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। अवैध असला-अमुनेशन रखने वाले अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी उपासना के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम तहत एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टॉफ द्वारा थाना पूंडरी क्षेत्र से एक आरोपी को काबू किया गया है। जिसके कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा 315 बोर बरामद हुआ। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टॉफ एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एचसी लखविंद्र सिंह की टीम गांव मोहना अड्डा पर मौजूद थी, तभी एक गुप्त सूचना मिली कि गांव ट्यौन्ठा निवासी रवि कुमार अपने पास अवैध असला रखता है और कुछ ही देर में वह ट्यौन्ठा से पैदल होकर दुसैन अड्डा की ओर आएगा। सूचना के आधार पर टीम ने दुसैन अड्डा रोड पर निगरानी की तो एक युवक को आता देख गुप्तचर ने उसकी पहचान रवि कुमार के रूप में की। पुलिस टीम को देख आरोपी खेतों की ओर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर काबू किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी की लोअर की जेब से एक देशी कट्टा 315 बोर बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना पूंडरी में शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एचसी सुनील द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा जिससे पूछताछ की जा रही है।

अवैध असला रखने का आरोपी पुलिस गिरफ्त में। (छाया: एसबी)

सहरावत बने रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के राष्ट्रीय सचिव

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने तेजपाल सिंह सहरावत को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है।

करीब 32 वर्षों से राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय सहरावत कई सामाजिक संस्थाओं के संरक्षक और अध्यक्ष रह चुके हैं। वे भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में सदस्य के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। उन्होंने पहले राष्ट्रीय सेवा पार्टी (चुनाव चिन्ह-कलम दवात) बनाई थी, जिसे बाद में भाजपा में विलय कर दिया था।

कांग्रेस पार्टी से लेकर भाजपा तक उन्होंने ब्लॉक स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक जिम्मेदारियां निभाई हैं। अपनी नियुक्ति पर

प्रतिक्रिया देते हुए सहरावत ने कहा, मैं दलितों, पिछड़े वर्ग, महिलाओं और जरूरतमंद लोगों के हित में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करता रहूंगा। मंत्री जी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे मैं पूरी श्रद्धा से निभाऊंगा। इस अवसर पर उन्हें बधाई देने वालों में डॉ. आदित्य नरवान (फूड डायरेक्टर, बीजेपी), श्रीनिवासन मानता (फिल्म डायरेक्टर, आंध्र प्रदेश), रवि कुमार नायडू (तेलंगाना), डॉ. विजय गुप्ता (अपोलो हॉस्पिटल, नोएडा), एसीपी रतनलाल (दिल्ली पुलिस), कैप्टन इंदिरा व दीपक कुमार (दिल्ली), जगविंदर जोली (जिला पार्षद, बीजेपी हरियाणा), एडवोकेट मुकेश रंगा, एडवोकेट कपिल रंगा, अजय रंगा (हरियाणा), डॉ. आशा (बीजेपी छत्तीसगढ़), एस. एच. ओ. पी.एल. मीना (दिल्ली), सिमरन (राष्ट्रीय अध्यक्ष, बेटी एक लक्ष्य फाउंडेशन), प्रवीण कुमार (महाराष्ट्र निगरानी समिति), योगराज सिंह (राजस्थान, पूर्व सदस्य होम मिनिस्ट्री भारत सरकार) सहित देशभर के अनेक नेता और गणमान्य शामिल रहे।

साँई लाड्डी शाह के जन्म दिवस पर भंडारे का आयोजन किया गया: देम

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। साँई लाड्डी शाह युवा समिति असंध (करनाल) द्वारा नगर के गुरुद्वारा चौक में साँई लाड्डी शाह के जन्म दिवस पर हर वर्ष की भांति कड़ी चावल का लंगर लगाया गया। एक भेंट के दौरान श्री राम नाटक क्लब असंध के प्रधान दीपक देम पुत्र स्वर्गीय नरेंद्र कुमार देम ने बताया कि साँई लाडी शाह जी नकोदर (पंजाब) वाले के जन्म दिवस पर हर वर्ष नगर में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है उन्होंने यह भी कहा कि जो भी साँई लाड्डी शाह की दरगाह पर जाकर सच्चे मन से माथा टेकता है उनकी हर मुराद पूरी होती है दीपक देम ने बताया कि नगर में हर वर्ष साँई जी की याद में भंडारा लगाया जाता है जिसमें क्षेत्र में सभी के सभी श्रद्धालुओं भंडारे का आनंद लेते हैं। इस अवसर पर समिति के सदस्य मिक्की कुकरेजा अमेरिका वाले, मन्नी अमेरिका वाले, मोनू करनाल वाले, सेवादार संजय कुमार, दीपक गर्ग, रमन टक्कर, अनूप, शिवम देम, साहिल, नीरज, पुनीत, कुक्कु शर्मा आदि उपस्थित रहे।

राजौंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन

■ सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत 500 से अधिक मरीजों की जांच, 395 को मिले मुफ्त चश्मे

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत शनिवार, 27 सितम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार' थीम पर विशेष स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में मौलाना मेडिकल कॉलेज से आई हुई डॉक्टरों की टीम ने लगभग 500 मरीजों की जांच की।

कैंप के दौरान विभिन्न विभागों में जांच की गई, जिनमें 60 मरीज एएनसी, 90 मरीज नेत्र रोग, 45 मरीज हड्डी रोग, 30 मरीज सर्जरी तथा 135 मरीज मेडिसिन से संबंधित रहे। इसके अलावा 395 लोगों को मुफ्त में चश्मे वितरित किए गए। मरीजों को आवश्यकता अनुसार दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री सुशील पांचाल, भाजपा उपाध्यक्ष कमल राणा, मार्केट कमेटी राजौंद अध्यक्ष श्री वीरेंद्र रापड़िया एवं उपाध्यक्ष श्री राजेश राणा ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहित नैन, स्वास्थ्य निरीक्षक श्री जितेंद्र सिंह, लैब तकनीकी अधिकारी होशियार सिंह सहित स्वास्थ्य केंद्र का पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

सरकार का उद्देश्य इस पखवाड़े के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना है, ताकि आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ रहे।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह का जीवन युवाओं के लिए है प्रेरणा का स्रोत-मंत्री कृष्ण बेदी

■ पौधारोपण केवल पौधा लगाना ही नहीं बल्कि उसकी देखभाल करना भी हम सबकी जिम्मेदारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चण्डीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी जयंती के अवसर पर सेवा कार्य करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह ने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया और हमें उनके पदचिह्नो पर चलकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने नरवाना के गांव सुलेहड़ा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वच्छता अभियान के तहत सफाई कर उपस्थित लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को बढ़ावा देना है। स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने घर, मोहल्ले और गांव को स्वच्छ रखें और गंदगी फैलाने से बचें।

श्री कृष्ण कुमार बेदी ने इस अवसर पर मंदिर परिसर में पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल पौधे लगाना ही नहीं बल्कि उनकी देखभाल करना भी हम सबकी जिम्मेदारी है।

सेवा पखवाड़े ने बढ़ाई समाजसेवा की गति: मनोहर लाल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सेवा पखवाड़ा देशभर में समाजहित की दिशा में नई ऊर्जा भर रहा है। वे रविवार को श्रीकृष्ण गौशाला में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

मंत्री ने कहा कि करनाल की जनता सेवा भावना से परिपूर्ण है और नागरिकों को सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़े में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, पौधारोपण, खेल प्रतियोगिताएं और गौ सेवा जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने शहीद भगत सिंह की जयंती और नवरात्रों की शुभकामनाएं देते हुए रामलीला से आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

त्योहारी सीजन में जीएसटी दरों में कमी को बड़ी राहत बताते हुए मनोहर लाल ने कहा कि अब अधिकतर वस्तुएं 12 प्रतिशत से घटकर 5 या शून्य प्रतिशत स्लैब में आ गई हैं। उन्होंने बताया कि जीएसटी संग्रह 2017 के 80 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 2.40 लाख करोड़ हो गया है। इस मौके पर गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने गौशालाओं का बजट 40 करोड़ से बढ़ाकर 400 करोड़ करने के फैसले को दूरदर्शी कदम बताया। कार्यक्रम में विधायक जगमोहन आनंद, मेयर रेणु बाला गुप्ता, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण लाठर और भाजपा अर्बन मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।